द्वितीय

वार्षिक प्रतिवेदन

1983-84

NAGALAND
MEGHALAYA
TRIPURA
ASSAM
MIZORAM
MANIPUR
ARUNACHAL PRADESH

IN SERVICE OF
SEVEN SISTERS

एन ई आर ए एम ए सी

उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लि०

विषय वस्तु

	पृष्ठ संख्या
निदेशक बोर्ड	2
नोटिस	3
अध्यक्ष का वक्तव्य	4
निर्देशक रिपोर्ट	8
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	16
भारत के नियंत्रक तथा महा लेखा परीक्षक की टिप्पणी ...	44

निदेशक बोर्ड

के० सी० अनन्त	अध्यक्ष एवं-प्रबन्ध निदेशक	

पदेन अंशकालिक निदेशक

के० कानूनगो (डा०)	योजना आयोग	
एच० डी० बंसल	खाद्य विभाग	
के० सुन्दरराजुलु	कृषि तथा सहकारिता विभाग	
नीरू नन्दा (कुमारी)	गृह मंत्रालय	
सी० एस० राव	वित्त मंत्रालय	
उमा वोहरा (श्रीमती)	वाणिज्य मंत्रालय	17.11.83 तक
एस० पी० शुक्ल	वाणिज्य मंत्रालय	18.11.83 से
एन० पी० नवानी	उत्तर पूर्वी परिषद्	
लालजीत सिंह	मार्डन फूड इंडस्ट्रीज (इं०) लिमिटेड	
वी० जे० हीरजी	नेफेड	28.02.84 तक
के० डी० सिंह	मणिपुर सरकार	
सी० एस० सामत	त्रिपुरा सरकार	08.04.83 से
एच० एन० दास	असम सरकार	
जे० पी० सिंह	मेघालय सरकार	18.01.84 तक
टी० ओनोक	मेघालय सरकार	19.01.84 से
रमेश चन्द्र	अरुणाचल प्रदेश सरकार	17.04.83 से
के० एस० वैधवान	अरुणांचल प्रदेश सरकार	18.04.83 से
		29.11.83 तक
एम० एन० मलिक	मिजोरम सरकार	29.11.83 तक
जे० किरे	नागालैण्ड सरकार	29.11.83 तक

कम्पनी सचिव/प्रबन्धक

जी० के० गोस्वामी

लेखा परीक्षक

ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०, चार्टर्ड एकाउंटेंट
पानबाजार, गोहाटी-781001.

बैंकर

स्टेटबैंक ऑफ इंडिया
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

पंजीकृत कार्यालय

राजगढ़ रोड, गोहाटी-781 003, असम

नोटिस

एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड के अंश-धारियों की स्थगित दूसरी वार्षिक साधारण बैठक बृहस्पतिवार 30 अगस्त, 1984 को 15.00 बजे निगम के पंजीकृत कार्यालय राजगढ़ रोड, गोहाटी-781 003 में निम्नलिखित कार्य मदों पर विचार करने के के लिए होगी :—

1. निर्देशकों की रिपोर्ट, 1.4.1983 से 31.3.1984 तक की अवधि का लेखापरीक्षित तुलन पत्र और लाभ तथा हानि लेखा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्राप्त करना और उसे स्वीकार करना। उन पर भारत के नियन्त्रक तथा महा लेखा परीक्षक की टिप्पणी पटल पर रखी जाएगी।

2. अन्य कोई मद जिस पर साधारणतया अध्यक्ष की अनुमति से विचार किया जा सकता है।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निर्देशक

गोहाटी-781 003
9 अगस्त, 1984

सेवा में,

निगम के सभी सदस्य,
मैसर्स ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०, चार्टर्ड एकाउंटेंट
पान बाजार गोहाटी-781 001

नोट :

कोई भी सदस्य जिसे बैठक में भाग लेने व वोट देने का हक प्राप्त है, वह अपने स्थान पर अपना प्रतिनिधि बैठक में भाग लेने व वोट देने के लिए मनोनित कर सकता है और प्रतिनिधि का सदस्य होना जरूरी नहीं है।

अध्यक्ष का वक्तव्य

मुझे उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड की दूसरी वार्षिक साधारण बैठक में आपका स्वागत करने में खुशी हो रही है। निदेशक बोर्ड की दूसरी रिपोर्ट और 31 मार्च, 1984 को समाप्त अवधि के लेखा परीक्षित लेखे विचारार्थ और अनुमोदन के लिए आपके सम्मुख हैं।

गतिविधियों की विशेषताएं

अनन्नास और अनन्नास के उत्पाद

निगम ने जून, 1983 के अन्त से राज्य की सहकारी एजेंसियों के माध्यम से ताजे अनन्नास फलों की वाणिज्यिक खरीदारी शुरू की थी। कुमारघाट, त्रिपुरा राज्य से अनन्नास से लदे पहले पांच ट्रकों के आने के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि दूरदराज स्थानों को ट्रकों से अनन्नास भेजना मितव्ययी नहीं होगा क्योंकि फलों का 50 प्रतिशत भाग थोक व्यापारियों के गोदाम में 48 घन्टे के अन्दर नष्ट हो गया जिससे इस सौदे में घाटा पड़ा। इस अनुभव से स्पष्टतया यह विदित हुआ कि अधिक ब्रिक्स अंश वाली अनन्नास की ग्रीष्म और वर्षाकालीन फसलें ऊंचा तापमान और आद्रता बर्दाशत नहीं कर सकती हैं जो कि सामान्यतया मई से जुलाई तक रहता है। परिवहन के बाद उसकी गुणवत्ता व्यवहार्यता बहुत ही कम रह जाती है और फल में बुदबुदाहट शुरू होने से पूर्व उसका विघायत के लिए तो प्रयोग किया जा सकता है लेकिन खुदरा बिक्री के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इन अनुभवों की दृष्टि में उत्पादक क्षेत्रों में फैक्ट्रियों से अनन्नास के उत्पाद तैयार करने के लिए अनन्नास खरीदने के लिए कहा गया था इसमें उनके उत्पादों को खरीदने की व्यवस्था थी। निगम की यह नीति तुरन्त लोकप्रिय हो गयी और अनन्नास के उत्पाद तैयार करने के लिए उत्पादकों से बहुत अधिक मात्रा में अनन्नास खरीदा गया। इस व्यवस्था से निगम का कम से कम अनन्नास के उत्पादकों के लिए एक आश्वासिक सप्लाई आधार बन गया। फैक्ट्रियों द्वारा निर्मित उत्पाद मिश्रण की बिक्री करने के लिए निगम ने अपने साहस और दूरदर्शिता से सोवियत रूस को 36·50 लाख रुपये के मूल्य के लगभग 460 लाख मीटरी टन अनन्नास के उत्पादों का निर्यात करने के लिए प्राइवेट निर्यात और सरकारी क्षेत्र के व्यापारिक गृहों के साथ ठेका कर लिया। निगम का यह पहला निर्यात प्रयास था। इससे निगम से 30·42 लाख रुपये के मूल्य के 370·53 मीटरी टन उत्पादों का निर्यात किया।

इसके अलावा, अनुभव से विदित हुआ कि ऊंचे क्षेत्रों में पैदा होने वाले अनन्नास जिसकी फसल अवधि अगस्त से प्रारम्भ होती है और शरद अनन्नास जो अक्तूबर से आगे मंडियों में आने लगता है, में ठंडी जलवायु और कम आद्रता होने से अपेक्षाकृत कम ब्रिक्स अंश होता है। यह अनन्नास लम्बी दूरी तक भेजा जा सकता है। और मार्ग में इसकी मामूली क्षति होती है। निर्यात सम्बन्धी वायदों को पूरा करने के लिए इस अनन्नास का विघायन के लिए प्रयोग किया गया था।

अतः निगम ने त्रिपुरा, मेघालय के राज्यों और संघ-शासित प्रदेश अरुणाचल से लगभग 2,40,000 अदद अनन्नास खरीदे थे जिनका मूल्य 1,50,000 रुपये था। इस मात्रा में से 50 प्रतिशत अनन्नास अलग (अरुणाचल प्रदेश) से आया था जिससे गांव बागरा में और उसके आस-पास की आदिवासी जनसंख्या को सीधे लाभ पहुंचा था।

ताजा अदरख

मैसर्स मैकोफेड, शिलांग के साथ 50 : 50 के आधार पर लाभ और हानि को बांटने की शर्त पर एक करार किया गया था। मेघालय राज्य की पश्चिमी गारो हिल से फरवरी, 1984 में हरा अदरख खरीदा गया। इसी प्रकार, मिजोफेड के माध्यम से मिजोरम से सीधी खरीद के आधार पर अदरख खरीदा गया था। अदरख की वसूली प्रणाली, परिवहन प्रबन्धों और गारंटी ब्रोकरों के माध्यम से कलकत्ता की टर्मिनल मण्डी में उसकी बिक्री करने में अर्न्तनिर्हित बुराइयों के कारण इन सभी सौदों में निगम को कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं पहुंचा।

निगमित नीति के अनुसार, निगम ने कलकत्ता में अदरख नेफेड के माध्यम से बेचा था। तथापि निगम से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ यह मामला उठाया है कि नेरोलक को टर्मिनल मंडी में स्थान दिया जाए जिससे यथा समय में विचौलियों को समाप्त किया जा सके।

संतरा और लाल नींबू

यद्यपि सारे क्षेत्र में फसल के आकार में भारी कमी होने के कारण संतरे की खरीदारी नहीं की जा सकी लेकिन निगम ने सरकारी फल परीक्षण फैक्ट्री, नागालैण्ड से सम्बद्ध तकनीकी अधिकारी के माध्यम से लाल नींबू खरीदा था। अधिक अम्लता होने से ताजा लाल नींबू स्थानीय बाजार में नहीं बिकता है क्योंकि थोक और खुदरा व्यापारी 40,000 अदद लाल नींबू को नहीं खपा सकते। तथापि सारी मात्रा से रस निकाला गया और उसमें परिरक्षक डालने के बाद उसका भण्डारण किया गया। इस रस को अगले संतरा मौसम में बेचने का विचार है, जब बाटलरों से इसकी मांग होने की सम्भावना है।

स्थायी समिति

स्थायी प्रशासन समिति और स्थायी वित्त समिति का 21 मार्च, 1984 से पुनर्गठन किया गया। इन समितियों की कार्य अवधि एक वर्ष होगी। समितियों के सदस्य, सदस्यों की संख्या और समितियों के कार्यचालन सम्बन्धी मानदण्ड वहीं होंगे जो कि पहले रखे गए थे।

परियोजना

कुमारघाट अनन्नास/संतरा जूस सांद्रण संयंत्र सम्बन्धी परियोजना मई, 1983 के मध्य के आस-पास आवश्यक स्वीकृति के लिए खाद्य विभाग को भेजी गई थी। मन्त्रालय ने मूल परियोजना रिपोर्ट पर जो मुद्दे उठाये थे उन पर निगम ने अपने विचार भेज दिए थे और सरकार को निदेशक बोर्ड की संशोधित रूप में परियोजना प्रस्ताव की स्वीकृति के बारे में भी सूचित कर दिया था और इसकी शीघ्र मंजूरी देने के लिए अनुरोध किया था। इस बीच में जैसा कि बोर्ड ने स्वीकार किया था, फैक्ट्री और भवन के निर्माण के लिए आर्कीटैक्टों की सेवाएं प्राप्त करने और फल विघायन मशीनरी का निर्माण करने में विशेषज्ञ विख्यात कम्पनियों में संयंत्र और मशीनरी सप्लाई करने के लिए कोटेशन मंगवाने के लिए टेंडर नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

सम्भावनाएं

निगम ने प्राइवेट निर्यात गृहों और भारतीय राज्य व्यापार निगम के साथ अनन्नास के उत्पादों के निर्यात के लिए निर्यात ठेकों पर हस्ताक्षर किए। ऐसे निर्यात की कुल मात्रा 1050 मीटरी टन है जिसका मूल्य 82 लाख रुपये है। माल का जहाजों पर लदान उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के त्रिपुरा, असम, मेघालय और मणिपुर के राज्यों के राज्य सरकारी क्षेत्र के निगमों, सहकारी समितियों, सरकारी विभाग और प्राइवेट कम्पनियों के सहयोगी निर्माताओं द्वारा अगस्त से दिसम्बर, 1984 तक किया जाएगा।

यद्यपि अप्रैल और मई 1984 के दौरान एक के बाद एक ठेकों पर हस्ताक्षर किए गए, लेकिन सहयोगी निर्माताओं जिन्होंने उत्पादकों से अपनी सप्लाई प्राप्त करने के लिए ठेके किए हुए थे, की सम्भावनाएं अच्छी थीं लेकिन ओ० टी० एस० डिब्बों की कमी के कारण लदान अनुसूची में कुछ विलम्ब हो सकता है। नेरामेक, जो कि एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है, ने उन कुछेक सहयोगी निर्माताओं को ओ० टी० एस० डिब्बे दिलाने की व्यवस्था की थी जिन्होंने अपनी मांग अग्रिम भेजी थी। नेरोमेक निर्यात की गति बनाये रखने की पूरी कोशिश कर रहा है। इससे अधिक अवधि के लिए मजदूरों को सार्थक रोजगार देने के अलावा, विधायन संयंत्रों की क्षमता का उपयोग भी बढ़ने की सम्भावना है।

नेरामेक के लिए तैयार किया गया जवान के ब्रांड नाम से जैक फ्रूट जैम को देश में और निर्यात मंडियों में लोकप्रिय बनाया जाएगा। आशा है कि जैक फ्रूट का उपयोग करने के इस कार्यक्रम के इस क्षेत्र में जहां ये फल बहुतायत से पैदा होता है वहां की जनसंख्या के आदिवासी और कमजोर वर्गों की मदद की जा सकेगी।

तेलीय राल निकालने के लिए मिजोरम में पैदा होने वाली "अफ्रीकी वर्ड आई लाल मिर्च" (सूखी) और मेघालय से हल्दी (सूखी) के विपणन की सम्भावनाएं अच्छी समझी जाती हैं। विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, ग्रामीण विकास मन्त्रालय भारत सरकार की सहायता से एगमार्क श्रेणीकरण लागू कर पहली बार सिट्रोनेला जावा आयल के विपणन की सम्भावनाओं का पता लगाया जा रहा है कुमारघाट में अनन्नास/आरेंज जूस सांद्रण संयंत्र लगाने की मंजूरी सम्बन्धी सरकारी आदेश 24 जुलाई, 1984 को प्राप्त हुए थे और मुझे यह बताने में खुशी हो रही है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए पग उठाये जा रहे हैं। इसकी कुल लागत 213.56 लाख रुपये हैं।

आभार प्रदर्शन

अपना भाषण समाप्त करने से पूर्व मैं नेरामेक के निदेशक बोर्ड में अपने सहयोगियों के प्रति उनके मूल्यवान परामर्श, सहयोग और अनवरत समर्थन के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। मैं उत्तर पूर्वी परिषद्, खाद्य विभाग, खाद्य तथा नागरिक पूर्ति मन्त्रालय, और गृह मन्त्रालय भारत सरकार का भी आभारी हूँ।

मैं श्री पुरनो ए० संगमा माननीय उप मन्त्री (वाणिज्य) भारत सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने नेरामेक की निर्यात और घरेलू व्यावहार सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों में विशेष अभिरुचि ली थी।

मैं प्रबन्धकों और कर्मचारीगणों को बधाई देना और उनके प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने अनेक बाध्यताओं के बावजूद भी इस संगठन को इस स्तर तक पहुंचाने में निष्ठापूर्वक और घोर परिश्रम के साथ कार्य किया।

भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड, ने निर्यात ठेके देने और मैसर्स फ्रूटो एण्ड कं०, त्रिपुरा लघु उद्योग निगम, सरकारी फल परिरक्षण फैक्ट्री मणिपुर, और एसोसिऐटेड वेवरेज प्रा० लिमिटेड ने

नेरामेक के लिए और उनकी ओर से निर्यात ठेके सम्पन्न करने में जो सहायता की है, उसके लिए हम आभारी हैं। निगम को नियंत्रक तथा लेखापरीक्षक और सांविधिक लेखापरीक्षकों के मार्गदर्शन से 31-3-1984 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखों कों निर्धारित समय के अन्दर पूरा करने में मदद मिली है। मुझे उत्तर पूर्वी क्षेत्र के 7 घटक राज्यों के मुख्य मन्त्रियों, मंत्रियों तथा सचिवों और अधिकारियों से निरन्तर सहयोग मिला है इसके लिए मैं उनका आभारी हूँ।

स्थान :
तारीख :

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबंध निदेशक

निदेशक रिपोर्ट

निदेशक बोर्ड को 31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट और लेखों के लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करने में खुशी हो रही है।

बाजार सम्भाव्यताएं

इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष सामान्य स्थिति व्यापारिक गतिविधियां शुरू करने के लिए अत्यधिक अनुकूल थीं। निगम द्वारा सहयोगी निर्माताओं को ओ. टी. एस. डिब्बे, कार्टन, फल आदि जिन्स रूप में देने और जहाज पर लदान से पूर्व और बाद ऋण देने के बारे में अपनाई गई गतिशील आदान आपूर्ति नीति ने ताजे अनन्नास की विक्रेय अधिशेष मात्रा को खरीदने और प्राइवेट निर्यात तथा सरकारी क्षेत्र के व्यापारिक गृहों की सहायता से सोवियत रूस को पहला निर्यात कर डिब्बाबंद उत्पादों का निपटान करने के दोहरे उद्देश्य को पूरा करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। निगम तथा सहयोगी निर्माताओं द्वारा अनन्नास की निरन्तर खरीदारी करने का यह परिणाम हुआ कि ताजा अनन्नास की कीमतें पिछले वर्षों में चल रही कीमतों की अपेक्षा ऊंचे स्तर पर स्थिर हो गयी और बिना किसी बर्बादी के फल का सूझ-बूझ के साथ उपयोग हुआ।

संतरे और अदरख की फसल की पैदावार अच्छी नहीं थी जिसके परिणामस्वरूप वसूली केन्द्रों पर इनके दाम ऊंचे थे। अतः निगम ने संतरे की खरीदारी करना बिल्कुल आवश्यक नहीं समझा और विभिन्न बाजार तन्त्र की जटिलताओं का अध्ययन करने के लिए ताजी अदरख की प्रयोगात्मक वसूली की गई थी।

उत्पादन और बाजार सर्वेक्षण

राष्ट्रीय उत्पादिता परिषद, गोहाटी ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अदरख, संतरा, अनन्नास और आलू जैसे बागवानी उत्पादों के विपणन से संबंधित अपनी रिपोर्ट जून, 1983 के दौरान प्रस्तुत की।

इस रिपोर्ट में उत्पादन की लागत समेत काश्त पैकेज, उत्पादन और विक्रय अधिशेष आदि के बारे में आंकड़े दिए गए हैं।

अनन्नास और संतरे के विपणन के बारे में रिपोर्ट में इस क्षेत्र के अन्दर शहरी क्षेत्रों में कुछ मात्रा बेचने और कुछ मात्रा कलकत्ता की टर्मिनल मंडी में बेचने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया था कि कुछेक मौजूदा विधायन यूनिटों का प्रबन्ध नेरामेक द्वारा आरम्भ में प्रयोगात्मक आधार पर अपने अधिकार में ले लिया जाए। रिपोर्ट में दूसरा वैकल्पिक सुझाव जूस सांद्रण तैयार करने के बारे में था ताकि यह जूस सांद्रण थोक में विभिन्न अन्तिम प्रयोक्ताओं को जूस या बोतल बन्द बेवरेज बनाने के लिए दिया जा सके।

जहां तक अदरख का संबंध है, रिपोर्ट में अल्पकालीन और दीर्घकालीन दोनों उपायों के बारे में सुझाव दिये गये हैं।

अल्पकालीन उपाय के रूप में सहकारी समितियों द्वारा नेरामेक के लिए और उनकी ओर से अदरख खरीदी जाएगी और नेरामेक अल्टा उसे नेफेड/प्राइवेट कमीशन एजेन्टों के माध्यम से कलकत्ता की टर्मिनल मंडी में बेचेगा।

दीर्घकालीन उपाय के रूप में रिपोर्ट में उत्पादक एसोसियेशन के संगठन के बारे में सुझाव दिया गया था जो कि क्षेत्रीय स्तर पर नेरामेक को सारा अदरख बेचेगा। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया था कि नेरामेक को राष्ट्रीय स्तर पर अदरख बेचने के लिए नेफेड की सहायता प्राप्त करनी चाहिये। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि कमीशन एजेन्टों के कार्यों को करने और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कृषि/बागवानी उत्पादों की बिक्री के कार्य की देखभाल करने के लिए नेरामेक को धीरे-धीरे कलकत्ता में टर्मिनल मंडी का विकास करना चाहिए।

आलू के बारे में यह कहा गया था कि अनुमानित विक्रेय अधिशेष का 90 प्रतिशत स्वयं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के अन्दर ही खप जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि नेरामेक द्वारा सीधी वसूली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी नहीं होगी क्योंकि उसे बहुत अधिक संख्या में मध्यवर्ती कार्य करने पड़ेंगे। इसके अलावा, आलू की वसूली मौसमी स्वरूप की होने के कारण, स्थायी जनशक्ति और अन्य ऊपरी खर्चों के बारे में कोई सिफारिश नहीं की गई थी।

नेरामेक बोर्ड ने राष्ट्रीय उत्पादिता परिषद द्वारा सुझाये गए अल्पकालीन उपायों को अपनाने की स्वीकृति दी और निगम से यथा समय में, स्वतन्त्र रूप से टर्मिनल मंडी में विपणन का कार्य करने के लिए अपना आधारिक ढांचा तैयार करने के लिए कहा।

तकनीकी समिति

सचिव, उत्तर-पूर्वी परिषद के अनुरोध पर, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में फल विधायन फैक्ट्रियों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए एक तीन सदस्यों की समिति का गठन किया गया था। क्षेत्र की अधिकांश फैक्ट्रियों का दौरा करने के बाद समिति ने 19 अप्रैल, 1983 को उत्तर-पूर्वी परिषद, शिलांग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी। समिति की रिपोर्ट जून, 1983 के पहले सप्ताह के दौरान नेरामेक को भेज दी गई थी।

क्योंकि समिति ने कोई विशिष्ट सिफारिश नहीं की थी इसलिए यह प्रस्ताव था कि नेरामेक व्यक्तिगत यूनिटों की उनकी जरूरतों के अनुसार इस आधारभूत उद्देश्य से मदद करेगा जिससे कि इन फ़ैक्ट्रियों की निर्धारित क्षमता का पूरा उपयोग हो और निर्यात सम्बन्धी सम्भावनाओं की जांच करने समेत क्षेत्र के अन्दर और बाहर उत्पादनों के विपणन का कार्य शुरू किया जाए।

वित्तीय विशेषताएं

रुपए लाख में

	1983-84	1982-83
कुल कारोबार	51.14	—
घरेलू बिक्री	20.72	—
निर्यात	30.42	—
ब्याज से आय	16.74	1.98
कर से पूर्व लाभ	10.47	(—) 0.06
आरक्षित निधि	—	—
अनुपात	%	%
कर से पूर्व लाभ : कारोबार	20.47	—

पहले वर्ष में वाणिज्यिक गतिविधि से लाभ नाम मात्र होने के कारण लाभांश के भुगतान का प्रश्न ही नहीं उठता। तथापि, पिछले वर्ष के दौरान हुए 0.06 लाख रुपए की हानि की राशि को निकालने के बाद 4,35,600.79 रुपये की राशि सामान्य कुल पत्र को अन्तरित की गई थी। निगम ने सहयोगी निर्माताओं से अपने निर्यात पर कोई सेवा प्रभार नहीं वसूल किया था ताकि उन पर भार में वृद्धि न हो, ताकि वे अगले वित्तीय वर्ष के दौरान अपेक्षाकृत अधिक भाग ले सकें।

परिचालन परिणाम

अनन्नास—1983 की अनन्नास की ग्रीष्म और वर्षा कालीन मौसमों की स्थानीय फसलें सामान्य थी, यह फसल अप्रैल के अन्त से शुरू होकर अगस्त के पहले पखवाड़े तक चलती है। लेकिन सर्दी की फसल बुरी तरह खराब हो गई थी। इसलिए दिसम्बर, 1983 और जनवरी. 1984 के दौरान ताजे अनन्नास के लिए वास्तव में छीना झपटी थी जिसके परिणामस्वरूप मूल्यों में भारी बढ़ोतरी हो गयी थी और निर्यात सम्बन्धी दायित्वों को पूरा करने में भी कुछ कमी हुई थी।

निगम ने आलोच्य वर्ष के दौरान 1.42 लाख रुपये के मूल्य के 240 मीटरी टन ताजे अनन्नास खरीदे थे जबकि संशोधित लक्ष्य 200 मीटरी टन का था। अनन्नास की यह वसूली मुख्यतया त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में की गई थी। अनन्नास की ज्यादातर सप्लाई त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त हुई।

अदरख—अदरख की वसूली का कार्य फरवरी, 1984 के दौरान शुरू किया गया था। मेकोफेड (मेघालय सहकारी विपणन संघ, शिलांग) के माध्यम से गारो हिल जिले से खरीदी गई हरी अदरख की मात्रा 733.58 क्विंटल थी।

इसके अलावा, मिजोफेड (मिजोरम सहकारी विपणन संघ एजल) के साथ मिलकर मिजोरम से 383.40 क्विंटल हरी अदरख खरीद गई थी। आलोच्यावधि में वित्तीय वर्ष के दौरान हरी अदरख की वसूल की गई कुल मात्रा 1116.98 क्विंटल थी जो कि कुल 4.25 लाख रुपये पर बेची गई थी जिससे लगभग 20,000 रुपये की हानि हुई थी।

संतरा/लाल नीबू—नागालैण्ड सरकार से संतरा 25/- रुपये प्रति 100 और लाल नीबू 8/- रुपये प्रति 100, गोहाटी तक रेल पर निष्प्रभार की कीमत पर खरीदने के लिए बराबर बातचीत चलती रही। तथापि, नागालैण्ड से प्रयोगात्मक आधार पर लगभग 40,000 अदद देशी लाल नीबू 8/- रुपये प्रति 100 गोहाटी तक रेल पर निष्प्रभार की कीमत पर खरीदे गए थे। इस नीबू में ऊंची अम्लत होने के कारण इस क्षेत्र के थोक व्यापारी और खुदरा व्यापारी उसे नहीं खरीद रहे थे। इस सारी मात्रा में से रस निकाला गया और उसे तैयार माल के रूप में बेचने की सम्भावनाओं का पता लगाने के लिए इस रस का विधिवत गोदामों में परिरक्षण किया गया।

जहां तक संतरे का सम्बन्ध है, सामान्यतया, यह मालूम हुआ कि वर्षा मौसम के उत्तरार्ध में भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति के कारण इस सारे क्षेत्र में संतरे की फसल को क्षति पहुंची थी। इस स्थिति के कारण विभिन्न प्रकार के अनुमान उपलब्ध थे और त्रिपुरा से हमें प्रतिपुष्टि हुई कि फसल का आकार पिछले वर्ष की अपेक्षा केवल एक तिहाई था। पिछले वर्ष में आमद 50,000 मीटरी टन थी। उत्पादन के आंकड़ों और उचित मूल्यों पर संतरे की अनुपलब्धता की भिन्न-भिन्न मूलभूत रिपोर्टों के कारण निगम को त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, और मेघालय से वसूली का लक्ष्य छोड़ना पड़ा था।

सेब—यद्यपि गोहाटी, असम में कृषि विभाग के नियंत्रणाधीन उपलब्ध ठण्डे गोदामों में सेब के भण्डारण के लिए पक्के प्रबन्ध किए गए थे लेकिन सेब के विक्रेय अधिशेष की अनुपलब्धता के कारण, जैसा कि अरुणाचल प्रदेश सरकार के बागवानी/कृषि विभाग से सूचित किया था, सेब की वसूली नहीं की जा सकी थी।

नेरामेक—एक केन्द्रक एजेन्सी के रूप में

नेरामेक ने सहयोगी निर्माताओं के लिए और उनकी ओर से ओ० टी० एस० डिब्बे, कार्टन, लेबल आदि की वसूली की और उनकी सप्लाई की। इनका कुल मूल्य 16.06 लाख रुपये था।

फल उत्पादनों का विपणन

इस दिशा में पहला कदम यह उठाया गया कि नेरामेक ने जुलाई, 1983 के पहले सप्ताह में अपना नाम फल उत्पादन आदेश के पास पंजीकृत कराया, पंजीकरण नं० 5390-आर है। नेरामेक के अपने ही ब्रांड नाम या पुनः लेबल लगाकर या निर्माता के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, बिक्री करने के लिए उत्पादों में प्रयोग करने हेतु दो ब्रांड नाम "जवान" और "सेवन सिस्टर्ज" कलकत्ता में ट्रेड मार्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराये गए थे।

एयरपोर्ट काउंटर

नेरामेक ने बोरझर एयरपोर्ट के प्रस्थान कक्ष में बिक्री काउंटर लगाने के लिए उपयुक्त स्थान प्राप्त करने हेतु मई/जून, 1983 के दौरान कार्रवाई प्रारम्भ की थी। उच्चतम स्तरों पर सतत प्रयत्नों के बावजूद भी एरोड्राम नियन्त्रक ने इस क्षेत्र के फलों और ताजे अनन्नास रस को बेचने के लिए दुकान खोलने हेतु कोई उपयुक्त स्थान आवंटित नहीं किया जबकि वहां केवल वहीं स्थान उपलब्ध था जो कि मैसर्स एच० पी० एम० सी० के लिए नियत किया गया लेकिन काफी समय से उन्होंने इस स्थान को नहीं लिया था। अन्ततोगत्वा यह स्थान उन्हें 9 मार्च, 1984 को आवंटित किया गया। नेरामेक ने बोरझर एयरपोर्ट पर फल एवं रस बिक्री स्टाल खोलने के लिए उपयुक्त स्थान प्राप्त करने हेतु उच्चतम स्तर पर यह मामला पुनः उठाया है।

उत्पाद विकास

अनन्नास क्रश, अनन्नास के टुकड़े और स्लाइस तथा अनन्नास के रस (बिना चीनी मिलाये) के नमूने दिल्ली और बम्बई की 2 पार्टियों को विदेशी खरीदारों से नमूने की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए भेजे गए हैं। यह दिखाई देता है कि निकट भविष्य में इन नये उत्पादकों के निर्यात की कुछ सम्भावनाएं हो सकती हैं। मैसर्स फ्रूटों एण्ड कम्पनी, गोहाटी के साथ मिलकर जैक फ्रूट जैम के निर्माण के लिए किए गए आरम्भिक परीक्षण सफल हुए। इस उत्पाद का आकर्षक अम्बर रंग था और जैक फ्रूट की शेष चिन्ह तक में भी कोई गंध नहीं थी। घरेलू और विदेशी मंडियों में उपभोक्ता की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए अगले मौसम के दौरान लगभग 5 मीटरी टन जैम तैयार करने का विचार है।

निर्यात

अगस्त, 1983 मास के दौरान मसर्स फ्रूटो एण्ड कं० के लिए और उनकी ओर से 300 मीटरी टन के लिए मैसर्स रतन एक्सपोर्ट्स (प्रा०) लिमिटेड और 160 मीटरी टन के लिए भारतीय राज्य व्यापार

निगम लिमिटेड, कलकत्ता के साथ निर्यात करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह सारी मात्रा 460 मीटरी टन थी और इसका मूल्य 36.50 लाख रुपए था। सोवियत रूस को इसका जहाजों पर लदान सितम्बर से दिसम्बर, 1983 तक और बाद में बढ़ाकर मार्च, 1984 तक किया जाना था।

नेरामेक ने सहयोगी निर्माताओं अर्थात् मैसर्स फ्रूटो एण्ड कं० गोहाटी, असम राज्य, सरकारी फल परिक्षण फैक्ट्री, इम्फाल, मणिपुर राज्य, मैसर्स त्रिपुरा लघु उद्योग निगम, अगरतल्ला, त्रिपुरा राज्य और मैसर्स एसोसियेटेड बेवरेज, बुर्नीहाट, मेघालय के साथ एक के बाद एक ठेका किया था। देर से ठेका करने और सर्दी के अनन्नास की अत्यधिक कम मात्रा की आमद के कारण सहयोगी निर्माताओं ने 30,42 लाख रुपये की कीमत की 370.53 मीटरी टन मात्रा जहाजों से भेजी थी। निर्यातकों द्वारा निर्यात में कभी विलम्ब से ठेका करने के बाद घटित परिस्थितियों के कारण हुई थी।

तथापि, यह उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र से पहली बार इतने बड़े पैमाने पर निर्यात नेरामेक के ठोस प्रयत्नों और सहयोगी निर्माताओं के सहज सहयोग से सम्भव हुआ था।

फल उत्पाद आदेश, 1955

1955 में जारी आदेश और 1980 तक समय-समय पर जारी किए गए संशोधन फल तथा विधायन यूनिटों के लिए महत्वपूर्ण है। इस आवश्यकता को महसूस करते हुए, नेरामेक ने फल उत्पाद आदेश का संकलन किया और उसे पुस्तक के रूप में छपवाया। इसकी पुस्तकें खाद्य विभाग और नेरामेक के सहयोगी निर्माताओं, निर्यात गृहों और व्यापारिक गृहों को मुफ्त भेजी गई थीं। फल उत्पाद आदेश पुस्तक के उपलब्ध होने से, यह आशा की जाती है कि इस क्षेत्र के फल उत्पाद निर्माताओं द्वारा निर्धारित कार्यविधि का अनुपालन करने की सम्भावना है जिससे वे बहुत बड़ी मात्रा में अपने उत्पादों का निर्यात करने के पात्र बन सकेंगे।

परियोजना

कुमारघाट में स्थापित की जाने वाली जूस सांद्रण संयंत्र परियोजना सरकार को प्रस्तुत की गई थी। उस पर निदेशक बोर्ड ने पुनः विचार-विमर्श किया और खाद्य विभाग के कहने पर उसमें कुछेक परिवर्धन और संशोधन किए गए थे। इस परियोजना की संशोधित अनुमानित लागत 2 करोड़ रुपये से अधिक है। इसकी मंजूरी बहुत जल्द प्राप्त होने की सम्भावना है।

पूंजीगत ढांचा और पूंजी निवेश पैटर्न

निगम की अधिकृत पूंजी 5 करोड़ रुपये है जोकि प्रत्येक 1000.00 वाले 50,000 ईक्विटी शेयरों में विभक्त है। उत्तर-पूर्वी परिषद् को अब तक 2,05,21,025.50 रुपये की राशि प्राप्त हुई है। उनके कहने पर सचिव, उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग और उप सचिव, उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग प्रत्येक को 10 शेयर जिनकी राशि (10×2×1000) 20,000 1 और 19,980 शेयर जिनकी राशि 1,99,80,000.00 बैठती है, भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में जारी किए गए हैं। इससे निगम की कुल पूर्ण प्रदत्त पूंजी 2 करोड़ रुपये हो गयी है। उत्तर पूर्वी परिषद् ने कहा था कि 5,21,025.50 रुपये की शेष राशि का उपयोग निगम की विकास संबंधी गतिविधियों के लिए किया जाए।

संगठन

महा प्रबन्धक ने विदेश सेवा की शर्तों पर निगम में 24.3.1983 के अपराह्न को कार्यभार सम्भाला था। वित्तीय सलाहकार और कम्पनी सचिव के अन्य पद रिक्त रहे यद्यपि आलोच्यावधि के दौरान इन पदों को भरने के लिए कई बार कोशिश की गई थी। तथापि, वित्त और सचिव के पद से संबंधित कार्यों की देखभाल अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक करते रहे।

कर्मचारियों का ब्यौरा

कम्पनी (कर्मचारियों का ब्यौरा) नियम, 1975 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की 217(2-ए) की अपेक्षाओं के अनुसरण में निदेशक रिपोर्ट के साथ संलग्न विवरण में प्रतिमास 3000/- रुपये और इससे अधिक वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारियों से संबंधित अपेक्षित सूचना दी गई है।

बोर्ड की बैठकें

निगम के निदेशक बोर्ड की वर्ष के दौरान चार बैठकें हुई थीं।

लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों के बारे में सूचना

सांविधिक लेखा परीक्षकों की बिक्री, यात्रा भत्ता और अग्रिम यात्रा भत्ता पिछले वर्ष के आंकड़ों के प्रस्तुतिकरण में गलती से संबंधित टिप्पणियों को अनुपालन के लिए नोट कर लिया गया था यद्यपि निगम के तुलन पत्र और लाभ तथा हानि लेखे में प्रत्यक्षतः कोई परिवर्तन नहीं किया गया। कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची-6 के अधीन अपेक्षित प्रकटीकरण आवश्यकता के अधीन अनिवार्यताओं का पूरी तरह पालन नहीं किया गया लेकिन अवशेष लागत, वर्ष के दौरान अन्तरण/समायोजन, सांविधिक लेखा-परीक्षकों द्वारा दी गई अभिव्यक्ति का स्थायी परिसम्पत्ति अनुसूची तैयार करते समय भावी लेखों में अनुपालन किया जायेगा। यूनियन बैंक आफ इंडिया के पास हमारे लेखों के बारे में 8,333.30 रुपये के उपार्जित ब्याज के बारे में अनजाने में गलती हो गयी थी और ऐसी गलतियों को रोकने के लिए पग उठाये गए हैं।

विशेष कार्य

30 जून, 1984 को समाप्त तिमाही के दौरान, निगम ने सोवियत रूस को अनन्नास के उत्पादों का निर्यात करने के लिए सरकारी क्षेत्र के व्यापारिक गृह और प्राइवेट निर्यात गृहों के साथ ठेकों पर हस्ताक्षर किए थे। जहाजों पर माल के लदान का कार्यक्रम जून से दिसम्बर, 1984 होगा। पिछले वर्ष के ठेके की बची मात्रा समेत अगले वित्तीय वर्ष में लदान के लिए कुल मात्रा 1050 मीटरी टन है जिसका मूल्य लगभग 82 लाख रुपए है।

इम्फाल (मणिपुर), अगरतला (त्रिपुरा), दुरनीहाट (मेघालय, गोहाटी, हौली, आफलांग और बदरपुर (असम) में स्थित फैक्ट्रियों के साथ एक के बाद एक ठेका होने के आधार पर निगम को लक्ष्य पूरा करने का विश्वास हो गया है।

ओ० टी० एस० डिब्बों की भारी कमी के बावजूद नेरामेक ने अपने सहयोगियों को 3.20 लाख डिब्बों की सप्लाई की व्यवस्था कर ली है और उसे आशा है कि और डिब्बे प्राप्त करने के लिए वह अपने प्रयत्नों में सफल हो सकता है।

सोवियत रूस को लगभग 25 मीटरी टन अनन्नास के रस का जहाजों पर लदान जुलाई, 1984 के दौरान हलदिया बन्दरगाह कलकत्ता से किया जाना है।

लेखापरीक्षक

मैसर्स ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०, चार्टर्ड एकाउंटेंट पान बाजार, गोहाटी-781 001 को वर्ष 1983-84 के लिए निगम का लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया था।

आभार प्रदर्शन

बोर्ड सर्वश्री एस० पी० शुक्ल, वाणिज्य मंत्रालय, सी० एस० समाल, त्रिपुरा सरकार, टी० ओंनोक, मेघालय सरकार और के० एस० वैद्यवार, अरुणाचल प्रदेश सरकार का स्वागत करता है जिन्होंने वर्ष के दौरान बोर्ड के अंशकालिक निदेशक के रूप में कार्य सम्भाला और कार्ययुक्त निदेशकों द्वारा दिए गए मूल्यवान मार्ग दर्शन के लिए अपना आधार व्यक्त करता है। निदेशक बोर्ड श्री भगवत झा आजाद, माननीय खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री और श्री बी० सी० गंगोपाध्याय, सचिव, खाद्य विभाग का इस शिशु कम्पनी की गतिविधियों में अभिरुचि लेने और सुयोग्य मार्गदर्शन देने के लिए आभारी हैं।

निदेशक श्री प्रकाश मेहरोत्रा, असम तथा मेघालय राज्यों के राज्यपाल के भी कृतज्ञ हैं जिन्होंने निगम की गतिविधियों में अत्यधिक अभिरुचि दिखायी थी।

निदेशक इस क्षेत्र के पांच घटक राज्यों और द्रो संघ शासित प्रदेशों के मुख्य मंत्रियों, मंत्रियों, मुख्य सचिव और सचिवों/आयुक्तों द्वारा दिए गए सहयोग और समर्थन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं।

निदेशक उत्तर पूर्वी परिषद भारत सरकार के खाद्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय. गृह मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों द्वारा दिए गए सतत सहयोग के लिए आभारी है।

निदेशक बोर्ड प्राइवेट, सरकारी/सहकारी क्षेत्रों से सभी सहयोगी निर्माताओं का कृतज्ञ है जिन्होंने नेरामेक को उसके अनन्नास के उत्पादों के निर्यात, देश के अन्दर बिक्री सम्बन्धी प्रयासों में सहयोग दिया है और प्राइवेट निर्यातक तथा सरकारी व्यापारिक गृहों का निर्यात सम्बन्धी ठेके सौंपने के लिए आभारी है।

निदेशक सांविधिक लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक तथा महा लेखापरीक्षक और भारतीय लेखा परीक्षा और दिल्ली तथा कलकत्ता उसके संगठनों का उनके मूल्यवान मार्गदर्शन और परामर्श के लिए अपनी कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हैं।

निदेशक वर्ष के दौरान निगम के प्रबन्धकों और कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं।

निदेशक बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

गोहाटी
21 जुलाई, 1984

हस्ता०/—
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबंधक निदेशक

निदेशक रिपोर्ट के साथ उपाबंध

कर्मचारियों का ब्यौरा

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के उपबंधों के अनुसरण में प्रतिमास 3000/- रुपये और इससे अधिक वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों का ब्यौरा नीचे दिया जाता है :—

क्रम संख्या	कर्मचारी का नाम	पदनाम और कार्य का स्वरूप	31.3.84 को आयु	पारिश्रमिक	रोजगार का स्वरूप	अर्हताएं	नौकरी करने की तारीख	कुल अनुभव वर्षों में	पहले कहां नौकरी की
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
(क) सारे वित्तीय वर्ष के दौरान नौकरी में रहे कर्मचारी और वर्ष में कुल प्राप्त पारिश्रमिक 36000/- रुपये से कम नहीं था									
1.	श्री के० सी० अनन्त	अ० एवं प्र० नि०	55 रु०	77,910.49	प्रतिनियुक्ति पर	बी० एस० सी० (कृषि), एम० एस० सी० (एगरोन) विस्तार विधियों में डिप्लोमा एफ० वी० आई० एम० (लंदन), एफ० आई० एम० एम०	1.10.82	30	भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड
(ख) वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ समय के लिए नौकरी में रहे कर्मचारी और प्राप्त पारिश्रमिक प्रति मास 3000/- से कम नहीं था।									
1.	श्री ओ० पी० ग्रोवर	महा प्रबन्धक	50 रु०	34.380.11	प्रतिनियुक्ति पर	बी० एस० सी० (कृषि) फल तथा सब्जी परिक्षण में डिप्लोमा, विस्तार विधि में डिप्लोमा कृषि बागवानी उत्पादकों के विपणन में डिप्लोमा ओ० आई० टी० सी०/ जी० ए० टी० टी०	24.8.83		एच० पी० एम० सी० लिमिटेड

नोट (1) नियुक्ति की शर्तों के अनुसार पारिश्रमिक में वेतन तथा भत्ते, नियोजक का भविष्य निधि में अंशदान, ग्रेच्युटी तथा छुट्टी वेतन और चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति करना शामिल है।

(2) उपर्युक्त कोई भी कर्मचारी कम्पनी के किसी निदेशक का रिश्तेदार नहीं है।

लेखा परीक्षक रिपोर्ट

हमने उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड, राजगढ़ रोड, गोहाटी-781003, असम के 31 मार्च, 1984 को संलग्न तुलन पत्र और निगम के उस तारीख को समाप्त वर्ष के इसके साथ संलग्न लाभ तथा हानि लेखे की लेखा-परीक्षा की है और रिपोर्ट करते हैं कि :

(1) हमें सभी सूचना और स्पष्टीकरण जो कि हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक समझे जाते थे, प्राप्त हुए हैं ।

(2) हमारी राय में, निगम द्वारा कानून के अनुसार लेखा बहियों की जांच करने से विदित होता है, कि हिसाब किताब उचित ढंग से रखा गया है ।

(3) इस रिपोर्ट में दिया गया तुलन पत्र और लाभ तथा हानि लेखा, लेखा बहियों में दिए गए लेखों के अनुसार हैं ।

इसके अलावा, जैसा कि कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 277(4ए) के अधीन जारी किए गए निर्माणकारी और अन्य कम्पनियां (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 1975 के अधीन अपेक्षित हैं, हम उक्त आदेश के पैराग्राफ 4 और 5 में विशिष्ट मामलों पर इसके साथ एक विवरण (उपाबंध "क") संलग्न करते हैं ।

(4) हमारी राय में और हमारी पूर्ण जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखों से विवरण "ख" में दी गई टिप्पणियों के साथ पठित और उसके अध्यधीन कम्पनी अधिनियम, 1956 में अपेक्षित ढंग से सूचना मिलती है और उससे सच्ची और उचित तस्वीर मिलती है :—

(क) तुलन पत्र के मामले में, 31 मार्च, 1984 को निगम के कार्यकलापों का ब्यौरा; और

(ख) लाभ तथा हानि लेखे के मामले में उस तारीख को वर्ष का लाभ ।

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड क०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

स्थान—गोहाटी
तारीख—9.7.1984

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

उपाबंध "क"

हमारी उस तारीख की रिपोर्ट के खण्ड (iii) के दूसरे पैराग्राफ में उल्लिखित विवरण :

(1) निगम ने उचित ढंग से रिकार्ड बनाया है जिसमें स्थायी परिसम्पत्ति के मात्रात्मक ब्यौरों और उनकी स्थिति समेत पूर्ण ब्यौरे दिए गए हैं। लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान प्रबन्ध ने सारी परिसम्पत्ति की प्रत्यक्ष रूप से जांच की थी। इस जांच के दौरान कोई स्पष्ट असंगति नहीं देखी गई थी।

(2) लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान किसी भी स्थाई परिसम्पत्ति का पुर्नमूलन नहीं किया गया।

(3) अन्तिम लेखों (तुलन पत्र और लाभ तथा हानि लेखा) में वर्ष के अन्त में जो स्टाक दिखाया है, वह केवल घरेलू बिक्री से संबंधित माल (फल तथा पैकिंग सामग्री) के बारे में है। यह भी बताया गया है कि उस स्टाक को भी प्रबन्ध ने लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान उपयुक्त अवधियों में प्रत्यक्ष जांच की है। इस जांच में प्रत्यक्ष स्टाक और बहियों में दर्ज स्टाक के बीच पायी गई असंगतियां उल्लेखनीय नहीं थीं और उन पर लेखा बहियों में यथोचित कार्रवाई कर दी गई है। हमारी राय में, ऊपर बताए गए स्टाक का लागत पर किया गया मूल्यन सामान्यतया स्वीकृति लेखा सिद्धान्तों के अनुसार सही और उचित है।

(4) वर्ष के दौरान निगम द्वारा प्रतिभूत या अप्रतिभूत किसी प्रकार का ऋण नहीं लिया गया है।

(5) आलोच्यावधि के दौरान निगम द्वारा ऋण के रूप में कोई ऋण या अग्रिम राशि नहीं दी गई है।

(6) पुर्जे, संयंत्र, मशीनरी समेत स्टोर, कच्चे माल, उपकरण और अन्य परिसम्पत्ति की खरीदारी के मामले में आन्तरिक नियन्त्रक रखने के लिए कोई मुद्रिक/मानक मैनुअल या कार्यविधि नहीं है। तथापि, निगम उपर्युक्त के बारे में मानक सरकारी कार्यविधि का अनुपालन कर रहा है जोकि हमारी राय में काफी संतोषजनक है।

(7) ऐसी कम्पनियों, फर्मों और उनकी सहायक कम्पनियों से 10,000/- रुपये (दस हजार रुपए) से अधिक कोई खरीदारी नहीं की गई थी जिनमें निगम के निदेशकों की अभिरुचि है।

(8) लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान निगम के पास कोई बेकार या क्षतिग्रस्त स्टोर और कच्चा माल नहीं था।

(9) लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान निगम ने पब्लिक से कोई डिपाजिट स्वीकार नहीं किया था जैसा कि कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 58(ए) में अपेक्षित है।

(10) लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान निगम की उत्पादन और बेकार माल से प्राप्ति योग्य कोई राशि नहीं थी क्योंकि उसे अभी निर्माणकारी गतिविधियां शुरू करती हैं।

(11) निगम की अपने कारोबार के आकार और उसके स्वरूप के अनुरूप आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है।

(12) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 229(1) (घ) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा लागत सम्बन्धी रिकार्ड रखने का तरीका निर्धारित नहीं किया गया है।

(13) भविष्य निधि योजना सामान्य रूप से निगम पर अभी लागू होती है। विशिष्ट रूप से लाभ तथा हानि लेखे में दिखाया गया भविष्य निधि अंशदान अध्यक्ष-एवं-प्रबंध निदेशक, महा प्रबन्धक और अधिकारियों तथा प्रतिनियुक्ति पर आए स्टाक और जिनका लियन है, के बारे में हैं।

(14) क्योंकि निगम की कोई निर्माणकारी गतिविधियां नहीं है इसलिए यह विशिष्ट धारा उस पर लागू नहीं होगी।

(15) यथा उपर्युक्त।

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

हस्ता०
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

उपाबंध "ख"

ये हमारी उस तारीख को रिपोर्ट के खण्ड (IV) में उल्लिखित टिप्पणियां हैं :—

(1) **बिक्री :**

घरेलू बिक्री :

निदेशक, बागवानी तथा भूमि संरक्षण, इम्फान को 47,721.45 रुपए का ओ० टी० एस० डिब्बे बिक्री बिल संख्या 44/नेट/83/1133 जिसे बिक्री लेखा में दो बार दर्ज किया गया है।

पहली बार 27.1.84 को	47.271.45 रुपये के लिए
—वही— 29.2.84 को	450.00 रुपये के लिए
जे/48 द्वारा	47,721.45 रुपये

और दूसरी बार 31.3.1984 को जे/55 द्वारा 47,721.45 रुपये लेकिन जे/58 तारीख 31.3.84 द्वारा किया गया ठीक करने वाला इंदराज केवल 47,271.45 रुपये का है इससे बिक्री में 450/- रुपये का अधिक इंदराज हुआ हैं।

(2) **अध्यक्ष-एवं-प्रबन्धक निदेशक/प्रबन्धकों को यात्रा भत्ता और अग्रिम यात्रा भत्ता**

उपर्युक्त लेखों की जांच करते समय कुछेक गलतियां पाई गई थीं जिनका ब्यौरा नीचे दिया जाता है :—

(1) अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक को 5,040/- रुपये और 175.50 रुपये का यात्रा भत्ता अग्रिम जिसका इंदराज अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक को दिया गया यात्रा भत्ता किया गया था।

(2) प्रबन्धकों को दिए गए यात्रा भत्ता लेखे में 3817.00 रुपये की राशि का यात्रा भत्ता अग्रिम लेखा में गलती से इंदराज किया गया था।

उपर्युक्त गलत इंदराज का निवल प्रभाव अग्रिम यात्रा भत्ता में कम और यात्रा भत्ते में 217.50 रुपये की अधिक राशि ली गई है।

(3) **पिछले वर्ष के आंकड़े देने में गलती**

लाभ तथा हानि विनियोजन लेखे जिसमें 6,702.98 रुपये की हानि बतायी गई है, आरक्षित और अधिशेष के सामने नकारात्मक संख्या दी गई है जिससे पिछले वर्ष की परिसम्पत्ति और देयताओं को कम बताया गया है। प्रसंगवश, आरक्षित और अधिशेष की नकारात्मक संख्या नहीं हो सकती है।

(4) वर्ष के दौरान अवशेष, अन्तरण/समायोजन के बारे में स्थायी परिसम्पत्ति अनुसूची तैयार करते समय कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची (6) के अधीन अपेक्षित प्रकटीकरण संबंधी आवश्यकताओं को पूर्णतया पूरा नहीं किया गया था। हमारे द्वारा तैयार की गई स्थायी परिसम्पत्ति की अनुसूची (इसके साथ संलग्न) का तुलन पत्र के साथ संलग्न स्थायी परिसम्पत्ति की अनुसूची के साथ तुलना से स्वतः ही स्पष्ट हो जाएगा।

(5) यूनियन बैंक आफ इंडिया के बचत खाता संख्या 1573 में 8,333.30 रुपये के ब्याज की राशि (अर्जित) को बैंक ने 8.12.83 को जमा किया था। लेकिन उसे लेखापरीक्षा वर्ष के दौरान हिसाब में नहीं लिया गया है।

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.81

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के साथ संलग्न और उसके अंग के रूप में स्थायी परिसम्पत्ति की अनुसूची

विवरण	सकल ब्लाक				मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
	31.3.83 को लागत	बर्ष के दौरान वृद्धि	31.3.84 को लागत कमी/ अन्तरण/ समायोजन	31.3.84 तक को लागत	31.3.83 तक	वर्ष के दौरान वृद्धि	अन्तरण/ समायोजन द्वारा	31.3.84 को कुल मूल्य ह्रास	31.3.84 को	31.3.83 को
स्टाफ गाड़ी	168973.98	104972.11	—	273946.09	33795.00	43030.20	—	81825.20	192120.89	135178.98
एयर कंडीशनर	—	49342.72	—	49342.72	—	7401.41	—	7401.41	41941.31	—
कार्यालय उपकरण	500.00	49119.17*	—	49619.17	100.00	11353.17*	—	11453.17	38166.00	400.00
फर्नीचर और फिक्सेचर	84081.81	77683.72	—	161765.53	8408.00	15335.75	—	23743.75	138021.78	75673.81
बिजली के उपकरण	2180.64	—	—	2180.64	327.00	278.05	—	605.05	1575.59	1853.64
साइकल	590.00	—	590.00**	—	118.00	—	118.00**	—	—	472.00
टाइपराइटर	17197.82	—	17197.82	—	2580.00	—	2580.00*	—	—	14617.82
संयंत्र तथा मशीनरी	13387.00	—	13387.00**	—	2038.00	—	2038.00*	—	—	11349.00
जोड़ रु०	286911.25	281117.72	31174.82	536854.15	47366.00	82398.58	4736.00	125028.58	411825.57	239545.25

नोट :— *टाइपराइटर और संयंत्र मेशीनरी जिनका मूल्य क्रमशः 17,197.82 रुपये और 13,387.00 रुपये (लागत पर) है, को वर्ष के दौरान कार्यालय उपकरण लेखे जो कि उपयुक्त शीर्ष है, में अन्तरित किया गया था। इसके फलस्वरूप, वर्ष के दौरान 2,580.00 रुपये और 2,038.00 रुपये तक के अद्भुत मूल्यह्रास को कार्यालय उपकरण के लिए प्रभारित मूल्यह्रास को अन्तरित कर दिया गया था।

**एक साइकल जिसकी लागत 590.00 रुपये थी और 1.4.83 को उसका लिखित मूल्य 472.00 रुपये था, वर्ष के दौरान चोरी हो गयी थी। फलतः इसे इकट्ठे हुए मूल्यह्रास समेत बट्टे खाते में डाल दिया गया है और उसके लिखित मूल्य की 472.00 रुपये की राशि को संबंधित कर्मचारी से वसूली के लिए अग्रिम लेखा (स्टाफ) को अन्तरित कर दिया गया है।

कृते ए० भट्टार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.1984

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र

	अनुसूची		31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े		31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
1	2	3	4	5	6	7
1. विधि के स्रोत					
1. अंशधारियों की निधि					
(क) अंशपूंजी		1	2,00,00,000.00	—		1,55,21,025.50
(ख) आरक्षित और अधिशेष		2	9,56,626.29	2,09,56,626.29		(—) 6,702.98
2. ऋण विधि :					
(क) प्रतिभूत ऋण			—	—		—
(ख) अप्रतिभूत ऋण			—	—		—
जोड़ विधि :				5,09,56,626.29		1,55,14,322.52
2. निधि का उपयोग					
1. स्थायी परिसम्पत्ति					
(क) सकल ब्लाक			5,36,854.15		
(ख) कम : मूल्यह्रास		3	1,25,028.58		
(ग) निवल ब्लाक				4,11,825.57		2,39,545.25
2. निवेश			—	—		—
3. चालू परिसम्पत्ति, ऋण तथा पेशगियां					
(क) अल्प अवधि की जमा राशि पर उपार्जित ब्याज			4,11,914.86	—	
(ख) स्टाक		4	1,51,899.15	—	
(ग) फुटकर देनदार		5	6,29,777.81	—	
(घ) नकद और बैंक शेष		6	1,81,33,418.20	1,53,13,479.33	
(ङ) ऋण और पेशगियां		7	14,85,587.98	28,980.28	
(च) निगम कर का अग्रिम			5,55,275.00		
भुगतान (मूल्यांकन वर्ष 1984-85)			2,13,67,873.00	1,53,42,459.61	

जारी···

31 मार्च, 1964 को तुलन पत्र

	अनुसूची		31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े		31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
1	2	3	4	5	6	7
4. कम : चालू देयताएं और प्रावधान					
(क) फुटकर लेनदार	8	1,12,147.92		—	
(ख) चालू देयताएं	9	1,06,358.36		67,682.34	
(ग) कराधान के लिए प्रावधान		6,04,566.00		—	
		8,23,072.28		67,682.34	
निवल चालू परिसम्पत्ति (3-4)			2,05,44,800.72		1,52,74,777.27
कुल परिसम्पत्ति (निवल)			2,09,56,626.29		1,55,14,322.52

लेखा नीतियां, संलग्न अनुसूचियां और टिप्पणियां लेखे का अभिन्न अंग है ।

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०

हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-
(के० सुन्ददरराजुलु)	(एन० पी० नवानी)	(के० सी० अनन्त)	(ए० भट्टाचार्यजी)
पदेन निदेशक	पदेन निदेशक	अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक	पार्टनर

31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष का लाभ तथा हानि लेखा

क्रम सं०	विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
1	2	3	4	5
			रु० पै०	रु० पै०
1.	**आय :**			
	1. बिक्री	10	51,14,026.58	—
	2. कम : बिक्री की लागत	11	50,81,384.73	—
	3. व्यापारिक लाभ		32,641.85	—
	4. ब्याज संबंधी आय	12	16,73,639.74	1,98,110.36
	5. विविध आय	13	1,03,792,75	—
	6. जोड़ (3+4+5)		18,10,074.34	1,98,110.36
2.	**व्यय :**			
	7. ऊपरी खर्चे	14	6,85,423.99	1,57,447.34
	8. मूल्यह्रास	3	77,780.58	47,366.00
	9. **कुल व्यय**		7,63,204.57	2,04,813.34
3.	**10. कराधान से पूर्व लाभ (6-9)**		10,46,869.77	(—) 6,702.98 (घाटा)
	11. कराधान के लिए प्रावधान		6,04,566.00	—
4.	**12. कराधान के बाद लाभ (10-11)**		4,42,303.77	(—) 6,702.98

आगे ले जाया

लेखा नीतियां, संलग्न अनुसूचियां और टिप्पणियां लेखों का अभिन्न अंग हैं।

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी) पार्टनर

स्थान : गोहाटी
दिनांक : 9.7.1984

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियां

		31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े रु.		31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े रु.	
1. अंश पूंजी					
अधिकृत					
प्रत्येक 1000/- रुपये वाले 50,000 ईक्विटी अंश		5,00,00,000.00		5,00,00,000.00	
निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त					
प्रत्येक 1000/- रुपये वाले 20,000 ईक्विटी अंश जो कि नकद में पूर्ण प्रदत्त		2,00,00,000.00		—	
अग्रिम अंशपूंजी		—		1,55,21,025.50	
	जोड़	2,00,00,000.00		1,55,21,025.50	
2. आरक्षित और अधिशेष					
विकास विधि		5,21,025.50			
लाभ तथा हानि लेखा :					
वर्ष के दौरान लाभ	4,42,303.77	4,35,600.79	(—)	6,702.98	(घाटा)
कम : 1982-83 की हानि	6,702.98	9,56,626.29		6,702.98	

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
ए० भट्टाचार्यजी

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.1984

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियां

3. स्थायी परिसम्पत्ति	सकल ब्लाक				मूल्यह्रास			निबल ब्लाक	
	31.3.83 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि	कमी/ अन्तरण रु.	31.3.84 को लागत	31.3.83 तक	वर्ष के दौरान	कुल मूल्यह्रास 31.3.84 को	31.3.84 को	31.3.84 को
(क) स्टाक गाड़ी	168973.98	104972.11	—	273949.09	33795.00	48030.20	81825.20	192120.89	135178.98
(ख) एयर कंडीशनर	—	49342.72	—	49342.72	—	7401.41	7401.41	41941.31	—
(ग) कार्यालय उपकर	31084.82	18534.35	—	49619.17	4718.00	6735.17	11453.17	38166.00	400.00
(घ) फर्नीचर और फिक्सेचर	84081.81	77683.72	—	161765.53	8408.00	15335.75	23743.75	138021.78	75673.81
(ङ) बिजली के उपकरण	2180.64	—	—	2180.64	327.00	278.05	605.05	1575.59	1853.64
(च) बाइसाइकल	590.00	—	472.00	—	—	—	—	—	472.00
(छ) टाइपराइटर	—	—	14617.82	—	—	—	—	—	14617.82
(ज) संयंत्र और मशीनरी	—	—	11349.00	—	—	—	—	—	11349.00
जोड़	286711.25	250532.90		536854.15	47248.00	77780.58	125028.58	411825.57	239545.00

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

हस्ताक्षरित उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्य एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्य जी)
पार्टनर

31 मार्च 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूची

					31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
					रु०	रु०
4. स्टाक :						
मद संख्या	**विवरण**	**मात्रा**	**मूल्य रु०**			
1.	कार्टन	635 अदद	8413.75			
2.	लेवल (अनन्नास जूस)	3000 "	480.00			
3.	कार्टन के लिए इन सैट्स	390 "	413.40			
4.	कारबोयज़	996 "	139440.00			
5.	लाल नींबू	39400 "	3152.00			
					151899.15	—
				जोड़	151899.15	—
5. फुटकर देनदार						
(क)	छः मास तक फुटकर देनदार (अप्रतिभूत अच्छे समझे जाने वाले)				629777.81	—
				जोड़	629777.81	—

हस्ताक्षरित उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०

हस्ता०/-
ए० भट्टाचार्यजी
पार्टनर

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन

हस्ता०/-
एन० पी० नवानी
पदेन

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूची

		31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
		रु०	रु०
6. नकद और बैंक शेष			
नकद	—	1568.70	230.50
अनुसूचित बैंकों के पास शेष :			
भारत का स्टेट बैंक : न्यू गोहाटी ब्रांच बचत खाता	—	34980.54	795742.00
भारत का स्टेट बैंक, अगरतल्ला ब्रांच बचत खाता	—	3751.22	—
यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया, जी० एस० रोड, गोहाटी बचत खाता	—	999400.00	—
भारत का स्टेट बैंक, न्यू गोहाटी ब्रांच, अल्पकालीन डिपाज़िट लेखा	—	13630644.22	14517506.83
	रुपये	18133418.20	25313497.33

हस्ताक्षरित उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)	(एन० पी० नवानी)	(के० सी० अनन्त)	(ए० भट्टाचार्यजी)
पदेन निदेशक	पदेन निदेशक	अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक	पार्टनर

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के अंक के रूप में अनुसूचियां

			31 मार्च, 1684 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
			रु०	रु०
7. ऋण तथा पेशगियां				
(नकद या जिन्स रूप में वसूली योग्य)				
अप्रतिभूत—अच्छा समझे जाने वाले				
(जब तक अन्यथा नहीं बताया जाता)				
(क) सहयोगी यूनिट से प्राप्य				
(1) बागवानी तथा भूमि संरक्षण निदेशक, इम्फाल अप्रतिभूत-अच्छे समझे जाने वाले		22,060.40		
(2) मैसर्स फ्रूटो एण्ड कं०, गोहाटी प्रतिभूत—बैंक की अभिरक्षा में ओ० टी० एस० डिब्बों के प्रति अच्छे समझे जाने वाले	3,00,000.00			
अप्रतिभूत—अच्छे समझे जाने वाले	8,45,081.78	11,45,081.78	1,67,142.18	
(ख) अन्य से प्राप्य :				
(1) सम्भरणकर्ताओं को पेशियां अप्रतिभूत— अच्छे समझे जाने वाले		2,60,812.97		
(2) अधिकारियों/स्टाक को यात्रा भत्ता पेशगियां अप्रतिभूत—अच्छे समझे जाने वाले		2,449.50		
(3) खर्चों के लिए पेशगियां—अच्छे समझे जाने वाले		5,042.30		9,665.28
(4) वसूली योग्य अन्य पेशगियां/ दावे : अच्छे समझे जाने वाले		2,236.03		
(5) डिपाजिट : (टेलेक्स और ओ० वाई० टी० डिपाजिट आदि समझे जाने वाले		47,905.00	3,18,445.80	19,315.00
		जोड़ रु०	14,85,587.98	28,980.28

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्जी एण्ड कं०
हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबंध निदेशक

स्थान . गोहाटी
तारीख : 9.7.1984

31 मार्च 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूची

	31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च. 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
8. फुटकर लेनदार :		
(क) मिज़ोरम राज्य सहकारिता विपणन और उपभोक्ता संघ लिमिटेड, मिज़ोरम	88,448.00	—
(ख) मेघालय राज्य सहकारी विपणन तथा उपभोक्ता संघ लिमिटेड, मेघालय	23,699.92	—
जोड़	रु० 1,12,147.92	—

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न
हमारी रिपोर्ट के अध्यधीन

हस्ता/-० (के० सुन्दरराजुलु) पदेन निदेशक	हस्ता०/- (एन० पी० नवानी) पदेन निदेशक	हस्ता०/- (के० सी० अनन्त) अध्यक्ष-एवं-प्रबन्धक निदेशक	कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं० चार्टर्ड एकाउंटेंट

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.1984

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

31 मार्च 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूची

			31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
			रुपये	रुपये
9.	**चालू देयताएं :**			
1.	वेतन तथा भत्ता		29,860.10	10,192.57
2.	यात्रा भत्ता (अधिकारी)		1,621.00	—
3,	श्री ए० सी० फुकन (किराया)		3,985.85	9,619.00
4.	बोल्टाज़ लिमिटेड		3,119.20	—
5.	भारतीत डाक तथा तार विभाग		11,706.00	—
6.	मैसर्स मंजूश्री प्लास्टिक		3,682.00	—
7.	शोभा ट्रेवल्ज़		5,570.00	—
8.	लक्ष्मी सर्विस स्टेशन		1,498.18	—
9.	समयोपरि भत्ता (स्टाफ)		324.45	—
10.	लेखापरीक्षा फीस		4,000.00	2,000.00
11.	मैसर्स ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०		2,000.00	—
12.	चिकित्सा लाभ (अधिकारी/स्टाफ)		592.65	—
13.	लोकनाथ स्टोर		2,537.00	—
14.	विद्यार्थी गृह		795.21	—
15.	निदेशक, मुद्रन तथा लेखन सामग्री		894.00	—
16.	अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक के निजी सचिव		213.00	—
17.	ए०एस० एसोसियेट		—	391.00
18.	डी० दत्ता चौधरी एण्ड कं		—	1,500.00
19.	मैसर्स एकसेलेरन्डो		2,469.60	44,081.20
20.	श्री जी०के० देव गोस्वामी		43.00	—
21.	विशेष प्रतिकर गत्ता (अ० एवं प्र० नि/अधिकारी/स्टाफ)		6,390.95	—
22.	विशेष ड्यूटी भत्ता (अ०-एवं-प्र० नि०/अधिकारी)		4,000.00	—
23.	मैसर्स एम०बी० न्यूज एजेन्सी		110.00	—
24.	स्टेट ट्रांसपोर्ट बुक स्टाल		13.50	—
25.	श्री एन० ककाती		40.00	—
26.	श्री अमीर बसफोर		80.00	—
27.	(1) स्पेयर इंडिया	18.00		
	(2) लक्ष्मी आटो मोबाइल	35.00		
	(3) गोहाटी आटो मोबाइल	15.00	68.00	—
28.	आयकर			600.00
29.	अतिथि सत्कार (अ-एवं-प्र० नि०/अधिकारी)		700.00	—
30.	श्री एन० एन० दास (चपरासी)		26.65	—
31.	श्री डी० एम० ब्रानमा (चपरासी)		15.30	—
32.	मैसर्स एयर ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, गोहाटी		15,948.00	—

जारी....

31 मार्च, 1984 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूची

	31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े	31 मार्च 1983 को समाप्त वर्ष के आंकड़े
	रुपये	रुपये
33. नियोजक अंशदान (अंशदायी भविष्य निधि) अ०-एवं-प्र० नि०/अधिकारी	3,020.62	1,465.58
34. रेमिंग्टन रेंड आफ इंडिया (982-83)	34.27	34.27
35. होटल पाइनवुड अशोक	798.72	798.72
36. श्री एस० नियोगी, डी० आर० एम० कलकत्ता (यात्रा भत्ता)	5.31	—
37. क्षेत्रीय अधिकारी, कलकत्ता	195.80	—
जोड़ :	1,06,358.36	67,682.34

हस्ताक्षरित, उस तारीख को संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउटेन्ट

हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)	(एन० पी० नवानी)	(के० सी० अनन्त)	(ए० भट्टाचार्यजी)
पदेन निदेशक	पदेन निदेशक	अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक	पार्टनर

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

31 मार्च, 1984 को लाभ तथा हानि लेखे के अंग के रूप में अनुसूची

		1983-84 वर्ष के आंकड़े मात्रा अदद	मूल्य (रु०)	1982-83 वर्ष के आंकड़े मात्रा अदद	मूल्य (रु०)
10. बिक्री :					
(क) निगम द्वारा की गई बिक्री (घरेलू) के बारे में सूचना					
जिन्सें :					
1. अनन्नास		2,27,875	1,83,315.15	—	—
2. ओ० टी० एस० डिब्बे	—	4,68.400 अदद	13,20,841.08	—	—
3. कार्टन	—	11,740	1,44,339.63	—	—
4. लेवल	—	1,17,000	18,955.53	—	—
5. स्ट्रेप्स मेटल सील	—	18,000		—	—
6. नाइलोन स्ट्रेप्स तथा सील	—	18,000 मी. टन.	3,718.82	—	—
7. हरी अदरख		39,10 मी. टन	4,01,271,27	—	—
		जोड़ रु०	20,72,441.48	—	—
(ख) नेरामेक लिमिटेड के माध्यम से की गई निर्यात बिक्री के बारे में सूचना—					
(1) अनन्नास उत्पाद		370.5331 मी.टन.	30,41,585.10		
		370.5331	30,41,585.10		

बिक्री :

(क) घरेलू	20,72,441.48
(ख) निर्यात	30,41,585.10
(ग) जोड़	51,14,026.58

हस्ताक्षरित उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबंध निदेशक

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

31 मार्च, 1984 को लाभ तथा हानि लेखों के अंग के रूप में अनुसूची

	रुपये	1983-84 वर्ष के आंकड़े	1982-83 वर्ष के आंकड़े
11. बिक्री की लागत :			
अथशेष स्टाक		—	—
खरीद : (नोट "क" तथा "ख" नीचे)		51,83,557.11	—
भाड़ा तथा कार्टेज	30,515.30		
कम : परिवहन राजसहायता	2,100.00		
		28,415.30	
बिक्री सम्बन्धी खर्चे		21,311.47	
		52,33,283.88	
कम : इतिशेष स्टाक (लागत पर)		1,51,899.15	
	जोड़ रु०	50,81,384.73	—

नोट :

(क) निगम द्वारा की गई खरीद (धरेलू) के बारे में सूचना

जिन्सें :	1983-84 मात्रा अदद	1983-84 मूल्य (रु०)	1982-83 मात्रा	1982-83 मूल्य
1. अनन्नास	2,3984 मी. टन.	1,42,250.88	—	—
2. ओ० टी० एस० डिब्बे (ए-2½ आकार)	4,69,400	13,13,600.76	—	—
3. कार्टन	12,765	1,28.970	—	—
4. लेवल	1,20,000	19,218.00	—	—
5. स्ट्रप्स मेटल सील	18,000 अदद	3,682.00	—	—
नाइलोन स्ट्रप्स सील	18,000 मी. टन.		—	—
6. कारबोयूज	996	1,39,440.00	—	—
7. लाल नींबू	39,400	3,152.00	—	—
8. हरी अदरख	102 मी. टन	3,91,658.32	—	—
	जोड़ रु०	21,41,972.01	—	—

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन
कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक)

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

31 मार्च, 1984 को लाभ तथा हानि लेखे के अंग के रूप में अनुसूची

	1983-84 वर्ष के आकड़े मात्रा	मूल्य (रु०)	1982-83 वर्ष के आंकड़े मात्रा	मूल्य (रु०)
(ख) नेरामेक लिमिटेड के माध्यम से की गई खरीद की नौ भारक बिल्टी/बीजकों के बारे में सूचना				
जिन्सें :				
1. अनन्नास उत्पाद	370.5331 मी०	30,41,585.10		
जोड़ रु०	370.5331	30,41,585.10		

खरीदे गए :

(क) घरेलू खरीदारी	21,41,972.01
(ख) खरीदे गए माल की नौ भारक बिल्टी/बीजक	30,41,585.10
(ग) जोड़ रु०	51,83,557.11

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

स्थान—गोहाटी
तारीख—9.7.84

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एस० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

31 मार्च, 1984 को लाभ तथा हानि लेखे के अंग के रूप में अनुसूची

	1983-84 वर्ष के आंकड़े	1982-83 वर्ष के आंकड़े
	रु०	रु०
12. ब्याज सम्बन्धी आय :		
अल्प अवधि के डिपाजिट खाते में बैंक से ब्याज	15,74,053·71	—
बचत बैंक खाते से ब्याज	99,586·03	—
जोड़ रु०	16,73,639·74	—
13. विविध आय :		
पेशगी राशि पर जहाज पर लदान से पूर्व/बाद ब्याज	1,02,807·61	—
अन्य आय	985·14	—
जोड़ रु०	1,03,792·75	—

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकान्टेन्ड

हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-	हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)	(एन० पी० नवानी)	(के० सी० अनन्त)	(भट्टाचार्यजी)
पदेन निदेशक	पदेन निदेशक	(अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक)	पार्टनर

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

31 मार्च, 1984 को लाभ तथा हानि लेखे के अंग के रूप में अनुसूची

			1983-84 वर्ष के आंकड़े	1982-83 वर्ष के आंकड़े
			रु०	रु०
14. ऊपरी खर्चे :				
क. स्थापन				
वेतन तथा भत्ते				
अ० प्र० नि०			55,269.10	29,862.00
अधिकारी			1,50,143.80	15,042.65
स्टाफ			89,150.51	19,385.55
भविष्य निधि और परिवार पेंशन अनुदान				
अ० प्र० नि०			4,982.49	1,790.22
अधिकारी तथा स्टाफ (प्रतिनियुक्ति पर और लियन)			4,731.47	—
नियोजक जमा से सम्बद्ध बीमा निधि (अ० प्र० नि०)			136.00	—
चिकित्सा लाभ :				
(क) अ० प्र० नि०	—रु०	1,665.85		
(ख) स्टाफ	—रु०	1,901.50	3.567.35	59.20
समयोपरि भत्ता			2,895.00	—
विशेष प्रतिकर भत्ता :				
अ० प्र० नि०			900.00	—
अधिकारी			3,714.25	—
स्टाफ			1,776.70	—
विशेष ड्यूटी भत्ता :				
अ० प्र० नि०	—	2,000.00		
अधिकारी	—	2,000.00	4,000.00	—
पेंशन अंशदान (स्टाफ)			392.00	—
छुट्टी नकदीकरण (अ० प्र० नि०)			3,319.36	—
छुट्टी वेतन अंशदान (अ० प्र० नि०)			5,138.14	—
ग्रेच्युटी अंशदान (अ० प्र० नि०)			4,499.55	—
अस्थायी स्टाफ को मानदेय			—	1,449.40
स्टाफ कल्याण खर्चे			—	835.10
	उपयोग	रु०	3,34,616.62	68,424.12

	1983-84 वर्ष के आंकड़े	1982-83 वर्ष के आंकड़े
	रु०	रु०
ख. प्रशासन		
कैम्प कार्यालय-एवं-आवास (अ० प्र० नि०) के लिए किराया	17,228.97	4,735.13
किराया	30,155.00	8,416.00
बिजली प्रभार	3,881.71	82.90
डाक टिकटें तथा तार	7,747.94	1,142.00
टेलीफोन तथा टेलेक्स	21,271.50	—
पुस्तकें तथा पत्रिकाएं	1,859.65	383.95
यात्रा सम्बन्धी खर्च :		
अ० प्र० नि०	47,935.80	11,950.00
अधिकारी/स्टाफ	48,123.31	1,402,90
पी० ओ० एल०	20,058.94	3,485.94
बीमा	8,430.50	5,219.00
लेखा परीक्षक—लेखा परीक्षा फीस (सांविधिक)	4,000.00	2,000.00
अन्य सेवाएं	9,750.00	1,500.00
दरें तथा कर	—	69.00
यात्रा तथा सवारी (प्रतिपूर्ति)	5,262.42	1,561.70
विविध खर्चे	7,005.61	279.00
छपाई तथा लेखन सामग्री	14,232.30	7,038.40
व्यावसायिक फीस	34,200.00	22,800.00
स्टाफ कार रख-रखाव	4,395.10	2,182.31
सदस्यता फीस	4,518.20	8000.00
दायर करना और पंजीकरण फीस	865.00	300.00
साक्षात्कार खर्चे (सचिव-एवं-वित्तीय सलाहकार)	2,187.00	—
उपयोग रु०	2,93,089.86	75,348.23
ग. व्यापार :		
कानूनी खर्चे	342.00	—
विज्ञापन	13,388.00	829.25
बैंक प्रभार	101.20	—
अतिथि सत्कार	18,629.13	2,135.80
बोर्ड की बैठक संबंधी खर्च	23,557.18	9,889.94
(उत्तर-पूर्वी परिषद् की बैठक के लिए 11,991.84 रुपये समेत)		

जारी....

		1983-84 वर्ष के आंकड़े	1983-84 वर्ष के आंकड़े
		रु०	रु०
सेमिनार तथा सम्मेलन		1,700.00	820.00
	उपयोग रु०	57,717.51	13,674.99
	सकल योग	6,85,423.99	1,57,447.34

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

हस्ता०/-
(के० सुन्दरराजुलु)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(एन० पी० नवानी)
पदेन निदेशक

हस्ता०/-
(के० सी० अनन्त)
अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लेखों के अंग के रूप में टिप्पणियां

(क) तुलन पत्र

(1) स्थायी परिसम्पत्ति

(1) 1.4.83 को टाइपराइटर के निवल ब्लाक को 14,617.82 रुपये की राशि वर्ष 1983-84 के दौरान कार्यालय उपकरण खाते को अन्तरित की गई है ।

(2) 1.4.1983 को "लेन्नोक्स-200, इलेक्ट्रो स्टेटिक फोटो कापीज" के निवल ब्लाक की 11,349.00 रुपये की राशि वर्ष के दौरान कार्यालय उपकरण खाते को अन्तरिक्ष की गई है ।

(3) 1.4.1983 को साइकल के लिखित मूल्य की 472.00 रुपये की राशि स्टाफ को पेशगी खाते को अन्तरिक्ष की गई है । यहां यह उल्लेख किया जाता है कि उपर्युक्त साइकल की वर्ष के दौरान चोरी हो गई थी और इसलिए लिखित मूल्य 472.00 रुपये की राशि संबंधित कर्मचारियों से वसूल करने के लिए स्टाफ को पेशगी खाते को अन्तरिक्ष

(ख) लाभ तथा हानि लेखा

(1) जिन कर्मचारियों ने कुल मिलाकर प्रति वर्ष 36,000/- रुपये तक या 3000/- रुपये प्रति मास, यदि वर्ष के कुछ महीने नौकरी में रहे थे, पारिश्रमिक प्राप्त किया था, उनकी संख्या इस प्रकार है :

	1983-84	1982-83
वर्ष भर नौकरी में रहे		
(1) कर्मचारियों की संख्या	1	—
वर्ष के कुछ महीने नौकरी में रहे		
(1) कर्मचारियों की संख्या	1	—

उल्लेखनीय लेखा नीतियां

1. **खरीदारी और बिक्री**

खरीदारी और बिक्री निम्नलिखित किसी एक आधार पर की जाती है :—

(क) जहां निगम द्वारा प्राधिकृत कोई पार्टी निगम की ओर से खरीद या बिक्री का ठेका करती है, निगम की ओर से पार्टी द्वारा ठेके के निष्पादन पर ।

(ख) जहां इस निगम को नौभारक बिल्टी/बीजक "लेखा नेरामेक" अंकित प्राप्त होते हैं वित्तीय वर्ष के ऐसे दस्तावेजों को बिक्री/खरीदारी के रूप में बुक किया जाता है ।

2. **उपार्जित आधार पर आय को हिसाब में लेना**

(क) सहयोगी यूनिटों को दी गई पेशगियां और उस पर ब्याज

(ख) अल्प अवधि के डिपाजिटों पर ब्याज ।

संलग्न लेखा नीतियां, लेखों के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न 1 से 14 अनुसूचियां और टिप्पणियां ।

हस्ता०/- (के० सुन्दरराजुलु) पदेन निदेशक	हस्ता०/- (एन० पी० नवानी) पदेन निदेशक	हस्ता०/- (के० सी० अनन्त) अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक

हस्ताक्षरित, उस तारीख की संलग्न हमारी अलग रिपोर्ट के अध्यधीन

स्थान : गोहाटी
तारीख : 9.7.84

कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कं०
चार्टड एकाउंटेंट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

सेवा में,

प्रशासनिक अधिकारी,
(वाणिज्य लेखा परीक्षा विंग)
भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक का कार्यालय
18, बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110 002

विषय : उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड के 31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लेखा परीक्षित लेखे ।

संदर्भ : हमारा 9 जुलाई, 1984 का संख्या रहित पत्र जिसके साथ 31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लेखा परीक्षित लेखे थे ।

प्रिय महोदय,

उपर्युक्त के संदर्भ में आप से अनुरोध है कि हमारे ध्यान में आयी टाइप सम्बन्धी गलतियों के बारे में निम्नलिखित शुद्धियां की जाएं :—

(1) मुख्य लेखा परीक्षा रिपोर्ट के उपाबन्ध लेखे के खण्ड (2) की बिन्दु संख्या (1) और (2) । बिन्दु संख्या (1) को इस प्रकार पढ़ा जाए 'अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक को यात्रा भत्ता अग्रिम' यह 50401/-रुपए की राशि गलती से मौजूदा वाक्य स्थान पर अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक को दिया गया यात्रा भत्ता दर्ज की गई थी ।

बिन्दु संख्या (2) को इस प्रकार पढ़ा जाए, प्रबन्धक को यात्रा भत्ता के रूप में 3,6171/- रुपये और 1,005,50 रुपये की दी गई राशि को यात्रा भत्ता अग्रिम लेखा के अन्तर्गत गलती से दर्ज किया गया था ।

(2) मात्रा संख्या 39.10 मीटरीटन शीर्ष के अधीन अनुसूची 10 की संख्या 7 खण्ड (क) को 93.10 मीटरी टन पढ़ा जाए ।

इस गलती के लिए खेद है ।
कृपया इसकी पावती भेजी जाए ।

भवदीय
कृते ए० भट्टाचार्यजी एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

हस्ता०/-
(ए० भट्टाचार्यजी)
पार्टनर

गोहाटी - 781001
तारीख - 30-8-84

प्रतिलिपि प्रेषित—

1. अवर सचिव, कम्पनी ला बोर्ड, विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय, कम्पनी कार्य विभाग (कम्पनी ला बोर्ड) 9वीं मंजिल, कंचनचंगा बिल्डिंग, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110 001 ।
2. सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड तथा पदेन वाणिज्य लेखापरीक्षा निदेशक, कलकत्ता ।
3. अध्यक्ष-एवं-प्रबन्ध निदेशक, उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड राजगढ़ रोड, गोहाटी-781 003 ।

उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड के 31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लेखों पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक की टिप्पणी ।

मुझे यह कहना है कि भारत के नियन्त्रक तथा महा लेखा परीक्षक की उत्तरी पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेट के 31 मार्च 1984 को समाप्त वर्ष के लेखों पर कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 619(4) के अधीन लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी या अनुपूरक नहीं है ।

हस्ता०/-
(ए० एन० मुखोपाध्याय)
सदस्य, लेखा बोर्ड तथा पदेन
वाणिज्य लेखा परीक्षा
कलकत्ता

कलकत्ता
कलकत्ता 31 अगस्त, 1984